04.10.2016

DPS, BOKARO

‘JOY OF GIVING WEEK’- A Week of Sharing-Caring-Loving begins at DPS BOKARO

Students learnt that ‘Joy of Giving & Sharing’ is immensely satisfying

It is rightly said, ‘Generosity is the habit of giving freely without expecting anything.’ Carrying on with the tradition of ‘selfless giving’, DPS Bokaro celebrated the Joy of Giving Week.

The arena gave a festive look, welcoming the students of ‘Deepansh’ Shikhsha Kendra run under the aegis of DPS Bokaro, for the marginalized sections of the society.

This is a day eagerly awaited by the students of the school to experience happiness over sharing in an ever-cheerful and welcoming environment.

The event saw a drawing competition in the Primary Wing where the Deepansh students participated with a great zeal in them. They remained glued to the stage when the students of class V (dramatics) performed a play ’SWARG MEIN HARTAL’, based on the theme of pollution. Placards depicting the same were exhibited on the stage. Since the day also marks Animal Welfare Day, questions were put to them on environment and animals. It showed a sincere interaction between the Deepansh and DPS students. What attracted the attention was the warm welcome in the classes where they were gifted and the taste of the different cuisine offered, was thoroughly enjoyed by them.

Joy of giving was observed to its fullest in DPS, Bokaro Senior Wing as well. Students of Deepansh participated enthusiastically in games and co-curricular activities in an inclusive manner with Dipsites. ‘Wish Tree’ was put in each class where the children put up their wishes, regarding their services towards the community.

04.10.2016

DPS, BOKARO

The students and the teachers donated wholeheartedly. The funds collected will be used for charity purpose for the underprivileged ones.

The school aims to promote the essence of the Indian culture and ethos, imparting holistic growth of students through inclusive education.

प्रभात खबर बोकारो धनबाद, बुधवार 5.10.2016 04

डीपीएस बोकारो में जॉय ऑफ गिविंग वीक

■ **बच्चों ने जाना दूसरों को देने से बड़ा कोई सुख नहीं होता**

संवाददाता ▸ बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो में दो से आठ अक्तूबर तक 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' के रूप में मनाया जा रहा है. इसके माध्यम से बच्चों में दूसरों को देने से मिलने वाली खुशी का एहसास कराया जा रहा है. 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' में मौलिक शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए डीपीएस बोकारो की ओर से संचालित 'दीपांश शिक्षा केंद्र' के विद्यार्थियों को डीपीएस के विद्यार्थियों के साथ कुछ घंटे बिताने का अवसर मिला. इस दौरान बच्चों ने कक्षा में साथ पढ़ाई की. खेल-कूद, गीत-संगीत व अन्य रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन भी साथ मिल कर किया.

'दीपांश शिक्षा केंद्र' के बच्चों के साथ डीपीएस के स्टूडेंट्स. फोटो। प्रभात खबर

डीपीएस की कक्षा पांच के बच्चों ने प्रदूषण नियंत्रण पर आधारित नाटक 'स्वर्ग में हड़ताल' का प्रभावी मंचन किया. डीपीएस व दीपांश के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित हुई. डीपीएस के बच्चों ने दीपांश के बच्चों के साथ टिफिन भी शेयर किये. अंत में दीपांश के बच्चों को डीपीएस के बच्चों ने उपहार भेंट किये. बच्चे बहुत खुश नजर आ रहे थे. बच्चों ने इस आयोजन से जाना कि दूसरों को देने में जो खुशी मिलती है, उसका एहसास ही कुछ अलग होता है.

एनिमल वेलफेयर डे

बच्चों ने मिल-जुलकर जिस तरह से एक-दूसरे की भावनाओं को जाना वह अनुभव अद्भुत था. बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति लगाव बढ़े, मानवीय भावना का विकास हो, इसके लिए विद्यालय में विभिन्न गतिविधियां आयोजित होती हैं. डीपीएस के बच्चों ने अपने आप को प्रकृति से जोड़ते हुए 'कल्प वृक्ष' (विश ट्री) बनाकर, उसके पत्तों पर दूसरों को जो कुछ वे देना चाहते हैं, उसे अंकित किया. स्कूल में मंगलवार को 'एनिमल वेलफेयर डे' के अवसर पर पशु कल्याण व पर्यावरण सुरक्षा पर आधारित गतिविधियों में बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया.

8 5 अक्टूबर 2016 दैनिक जागरण कैम्पस

कार्यक्रम : स्कूलों में 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' शुरू

सदाचार का महत्व बताया

जागरण संवाददाता, बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल में 2 से 8 अक्टूबर तक 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' के रूप में मनाया जा रहा है। इस आयोजन के जरिए बच्चों को दूसरों को देने की खुशी का अहसास कराया जा रहा है। बच्चों का सर्वांगीण विकास हो और वे देश के अच्छे नागरिक बनें इसके लिए विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

मौलिक शिक्षा से वंचित बच्चों के लिए स्कूल प्रबंधन की ओर से संचालित 'दीपांश शिक्षा केंद्र' के विद्यार्थियों को डीपीएस के विद्यार्थियों के साथ कुछ घंटे बिताने का अवसर मिला। इस दौरान बच्चों ने कक्षा में साथ पढ़ाई की। खेलकूद, गीत-संगीत सहित अन्य रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन भी साथ मिलकर किया।

डीपीएस के कक्षा 5 के बच्चों ने प्रदूषण नियंत्रण पर आधारित नाटक 'स्वर्ग में हड़ताल' का मंचन किया। चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। डीपीएस के बच्चों ने दीपांश के बच्चों के साथ टिफिन भी शेयर किया। अंत में दीपांश के बच्चों को डीपीएस के बच्चों ने उपहार भेंट किया। स्कूल में 'एनिमल वेलफेयर डे' के अवसर पर पशु कल्याण एवं पर्यावरण सुरक्षा पर आधारित गतिविधियों में बच्चों ने हिस्सा लेकर संकल्प लिया।

उपहार देता डीपीएस का छात्र।

दूसरी ओर, डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर चार के विद्यार्थी मंगलवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिरसा बासा पहुंचे। शिक्षिका भारती गुप्ता ने कहा कि भारतीय सभ्यता-संस्कृति की पूरे विश्व में विशिष्ट पहचान है। शांति, सदाचार, सहयोग एवं आपसी प्रेम से मानव विकास की राह पर अग्रसर होता है। हर विद्यार्थी की पारिवारिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि अलग-अलग होती है। फिर भी जब वे एक साथ मिलते हैं तो एकसूत्र में बंध जाते हैं। इस दौरान विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटी। डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिरसा बासा के बच्चों को उपहार प्रदान किया।